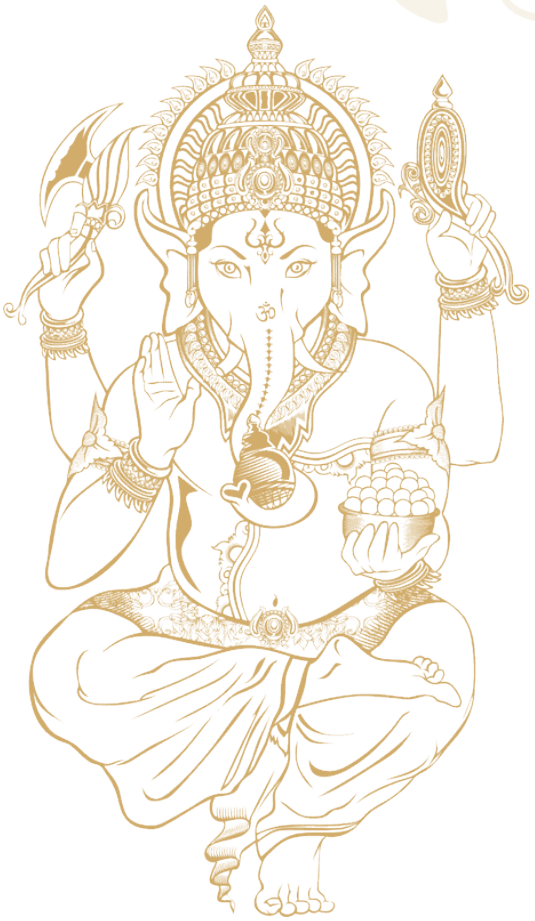

Mr. ????? kr sinha

27 May 1999

10:00 AM

Gaya

Model: web-freekundliweb

Order No: 121569425

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**27/05/1999**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**10:00:00 घंटे**
इष्ट	12:25:00 घटी
स्थान	**Gaya**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	24:48:00 उत्तर
रेखांश	85:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:10:00 घंटे
वेलान्तर	00:02:57 घंटे
साम्पातिक काल	02:27:11 घंटे
सूर्योदय	05:01:59 घंटे
सूर्यास्त	18:32:25 घंटे
दिनमान	13:30:25 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	11:37:32 वृष
लग्न के अंश	18:38:05 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	वरियान
करण	कौलव
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रु-रुपेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	18:38:05	314:39:36	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	केतु	---
सूर्य			वृष	11:37:32	00:57:35	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	मंगल	शत्रु राशि
चंद्र			तुला	07:51:22	11:56:08	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	सम राशि
मंगल	व		तुला	01:02:11	00:06:29	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	सम राशि
बुध		अ	वृष	13:23:07	02:11:51	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	राहु	मित्र राशि
गुरु			मेष	00:09:10	00:12:34	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	केतु	मित्र राशि
शुक्र			मिथु	26:13:42	01:02:53	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	मित्र राशि
शनि			मेष	16:37:53	00:07:12	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	नीच राशि
राहु	व		कर्क	22:00:59	00:10:31	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	सूर्य	शत्रु राशि
केतु	व		मक	22:00:59	00:10:31	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	22:56:13	00:00:15	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	---
नेप	व		मक	10:24:53	00:00:38	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	15:23:24	00:01:38	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			मेष	15:20:25	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:42

लग्न-चलित

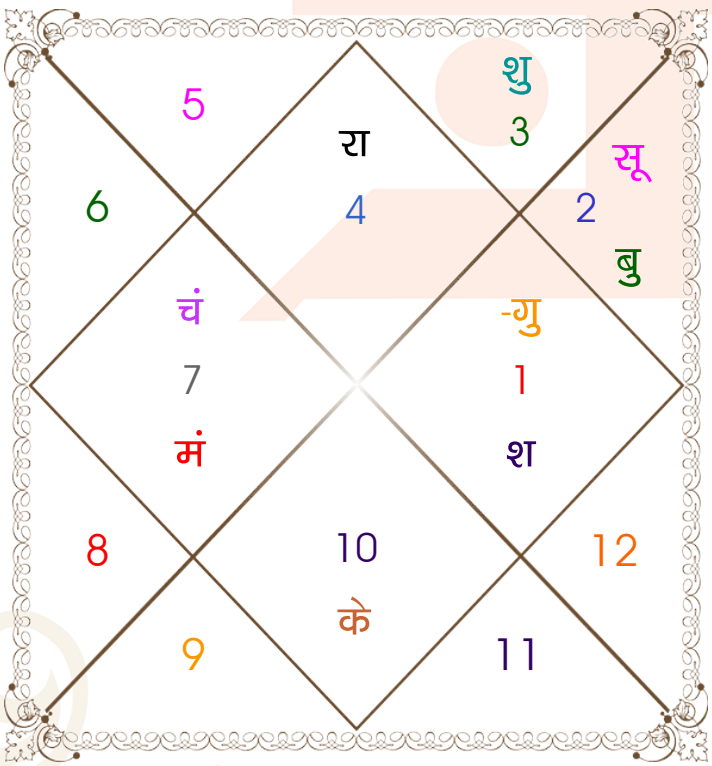

चन्द्र कुंडली

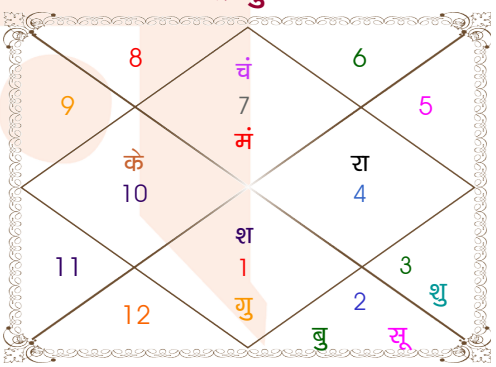

नवमांश कुंडली

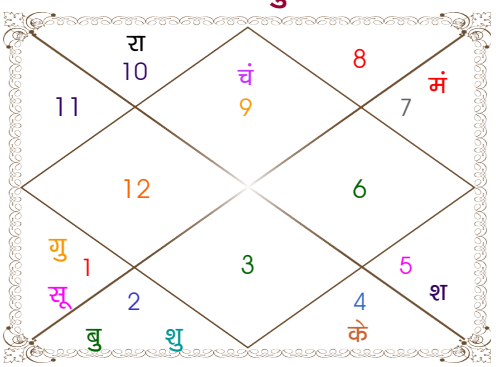

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 16 वर्ष 4 मास 22 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
27/05/1999		18/10/2015		18/10/2031		18/10/2050		18/10/2067	
18/10/2015		18/10/2031		18/10/2050		18/10/2067		18/10/2074	
राहु	30/06/2000	गुरु	05/12/2017	शनि	21/10/2034	बुध	15/03/2053	केतु	15/03/2068
गुरु	23/11/2002	शनि	17/06/2020	बुध	30/06/2037	केतु	13/03/2054	शुक्र	15/05/2069
शनि	29/09/2005	बुध	23/09/2022	केतु	09/08/2038	शुक्र	10/01/2057	सूर्य	20/09/2069
बुध	18/04/2008	केतु	30/08/2023	शुक्र	08/10/2041	सूर्य	17/11/2057	चंद्र	21/04/2070
केतु	06/05/2009	शुक्र	30/04/2026	सूर्य	20/09/2042	चंद्र	18/04/2059	मंगल	17/09/2070
शुक्र	06/05/2012	सूर्य	16/02/2027	चंद्र	21/04/2044	मंगल	15/04/2060	राहु	06/10/2071
सूर्य	31/03/2013	चंद्र	17/06/2028	मंगल	30/05/2045	राहु	02/11/2062	गुरु	11/09/2072
चंद्र	29/09/2014	मंगल	24/05/2029	राहु	05/04/2048	गुरु	07/02/2065	शनि	20/10/2073
मंगल	18/10/2015	राहु	18/10/2031	गुरु	18/10/2050	शनि	18/10/2067	बुध	18/10/2074

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
18/10/2074		18/10/2094		18/10/2100		19/10/2110		18/10/2117	
18/10/2094		18/10/2100		19/10/2110		18/10/2117		00/00/0000	
शुक्र	16/02/2078	सूर्य	04/02/2095	चंद्र	19/08/2101	मंगल	17/03/2111	राहु	28/05/2119
सूर्य	16/02/2079	चंद्र	06/08/2095	मंगल	20/03/2102	राहु	03/04/2112		00/00/0000
चंद्र	17/10/2080	मंगल	12/12/2095	राहु	19/09/2103	गुरु	10/03/2113		00/00/0000
मंगल	17/12/2081	राहु	04/11/2096	गुरु	18/01/2105	शनि	19/04/2114		00/00/0000
राहु	17/12/2084	गुरु	24/08/2097	शनि	19/08/2106	बुध	16/04/2115		00/00/0000
गुरु	18/08/2087	शनि	06/08/2098	बुध	18/01/2108	केतु	12/09/2115		00/00/0000
शनि	18/10/2090	बुध	12/06/2099	केतु	18/08/2108	शुक्र	12/11/2116		00/00/0000
बुध	18/08/2093	केतु	18/10/2099	शुक्र	19/04/2110	सूर्य	19/03/2117		00/00/0000
केतु	18/10/2094	शुक्र	18/10/2100	सूर्य	19/10/2110	चंद्र	18/10/2117		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 16 वर्ष 4 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के प्रथम चरण में मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्नोदय काल हुआ था। कर्क राशि के लग्नोदय संयोजन से धनु राशि के नवमांश के साथ-साथ वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित था। अर्थात् आप अपने जीवन में सम्पूर्णतः सफल होंगे। कर्क राशीय प्रभाव से आपका व्यक्तिव गुणयुक्त है तथापि आपका जीवन संघर्षपूर्ण रहेगा। आपको अपनी मानसिक खिन्नता को अपदस्थ करना होगा तथा आप अति समृद्धशाली धनी होकर अपना सुखद जीवन व्यतीत करेंगे।

कर्क राशीय प्रभाव से आपका आचरण भविष्यवक्ता की भाँति होगा। आप में यह गुण विद्यमान है कि आप महत्त्वपूर्ण कार्य सम्पादन कर अर्थ संग्रह करेंगे। धनु राशीय नवमांश के प्रभाव से आपको सदैव उचित दिशा निर्देशन प्राप्त होता रहेगा। परन्तु आपके जन्म नक्षत्र के प्रभाव से यह संभव है कि आपके स्वभाव को कृतघ्नतापूर्ण तथा आपके व्यवहार को अविश्वसनीय कर दे। आप अपनी नकारात्मक दृष्टिकोण को त्यागकर ही अपने चारित्रिक विकास हेतु सकारात्मक दिशा का व्यवहारिकता प्रदान कर सकते हैं, इन घटनाओं के फलस्वरूप यह संभव है कि मुख्यतः आप अपनी आयु के तैतीसवें वर्ष में धनी होकर लाभांश प्राप्त करेंगे।

यदि आप अपने हीनभावनात्मक स्वभाव का परित्याग कर दें तो आपकी हीन भावना समाप्त होकर मनोबल उच्च हो जाएगा तथा आपको कार्य-व्यवसाय के कार्यान्वयन में सहायक होकर आपके साहसिक प्रवृति एवं आत्म संतुष्टि को सुनिश्चित करेगा। यदि आप नियत समय पर अपनी पहुँच को व्यवहारिक रूप देने का प्रयत्न करें तो सफलता प्राप्त कर सकते हैं। परन्तु आप किसी पथ पर अग्रसर होकर अकस्मात् आलस्य के कारण सुनिश्चित क्षेत्र के प्रवेश काल अर्थात् कार्यारम्भ के समय विराम करते हैं। परिणामस्वरूप आपकी सफलता संदिग्ध तथा आप असफल रह जाते हैं।

आप निश्चयपूर्वक अपने प्रतिद्वन्द्वी से आशंकित नहीं रहते परन्तु अपने तथाकथित उलझन एवं विवादों को अच्छी प्रकार त्याग कर सावधानी पूर्वक धीरे-धीरे, मंदगति से अपने उद्देश्यित लक्ष्य की ओर अग्रसर होना चाहिए। आपकी द्विविधात्मक व्यक्तित्व सदैव आपको पारिवारिक सदस्यों के समक्ष परीक्षित होगा कि आपका पारिवारिक सम्बन्ध कैसा है।

कर्क राशीय प्रभावानुसार आपको परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित एवं कल्याण हेतु त्याग करना चाहिए। परंतु आपके लिए यह निर्देशन है कि इनके साथ अस्वाभाविक संबंध स्थापित न करे। आपको ध्यानपूर्वक यह विचार करना उत्तम है कि चाहे जो कुछ भी हो इनके किसी भी प्रकार की उत्तेजनात्मक प्रवृति का अनुभव करें। आपको मध्यपान की प्रवृति अर्थात् आदतों पर नियंत्रण रखना चाहिए।

यदि आप कार्य योजना की प्रस्तावना के अनुरूप आचरण करें तो आप बहुत अधिक धन सम्पति बना सकते हैं। आपके लिए अभिष्ट कार्य व्यवसाय जल से संबंधित होना उपयुक्त है। यथा सिचाई विभाग, कृषि विभाग, तटबंध, पुल, जहाजरानी के कार्य अनुकूल

है। यदि आप चाहें तो ट्रेवल ऐजेन्सी एवं ज्योतिषीय कार्य कलाप भी अपना सकते हैं। आप गले के संक्रमण रोग, उदासीनता, मनोरोग एवं शारीरिक उष्णता संबंधी रोग से प्रभावित हो सकते है-अस्तु समय-समय पर अपने परिवारिक चिकित्सक से मिलकर आरोग्यात्मक विचार ग्रहण करना चाहिए।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल एवं प्रदोलित करने वाला है। आपके लिए प्रतिकूल अंक 3 एवं 5 अंक है जो सर्वथा त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली रंग पीला, लाल, सफेद एवं क्रीम रंग है। हरा और ब्लू रंग त्यागनीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।